



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

19 फाल्गुन 1936 (श10)

(सं0 पटना 352) पटना, मंगलवार, 10 मार्च 2015

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

3 फरवरी 2015

सं0 1461—बाँका जिलान्तर्गत कसबा मंदार, पो0— मंदार हील, अंचल+थाना— बाँसी स्थित श्री नरसिंह भगवान मंदिर पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसका निबंधन सं0 4364 है।

इस न्यास की संचिका पर्षद में पूर्व से संधारित है, जिसमें न्यास के अधीन धारित चल-अचल सम्पत्ति के साथ वर्तमान प्रबंधन पर जांचोपरांत एक प्रतिवेदन देने हेतु अंचल पदाधिकारी, बाँसी को कई बार पत्र निर्गत किया जा चुका है, जिसका प्रतिवेदन अप्राप्त रहा। पर्षद द्वारा कराये गये जाच में यह बात स्पष्ट हुई कि इस न्यास के अधीन धारित जमीन के खतियान में दखलकार नरसिंह भगवान सेवायत महावीर दास लिखा है। इस मंदिर के इर्द-गिर्द सीताकुंड, पातालकुंड, शंखकुंड योगाश्रम एवं सीतावाटिका भी है, जहां सार्वजनिकता के आधार पर आम जनता बेरोक-टोक पूजा-पाठ, दर्शन, चढ़ावा करते हैं। अनुमंडल पदाधिकारी, बाँका की अध्यक्षता में दिनांक 15/09/13 को इस न्यास के साथ संयुक्त रूप से श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी प्रबंधन समिति हेतु आम सभा में दस सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया है, जो पर्षद से मान्यता प्राप्त नहीं है। चूंकि श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर एक अलग निबंधित मंदिर एवं इसकी संचिका भी अलग है, परंतु प्रस्तावित समिति का गठन संयुक्त रूप से किया गया है। इस न्यास समिति में दाता परिवार से किसी का नाम नहीं है, जबकि जांच के क्रम में दाता परिवार से श्री पवन कुमार सिंह का रखने का प्रस्ताव भी है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं0- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री नरसिंह भगवान मंदिर ग्राम—कसबा मंदार, पो0—मंदार हील, अंचल+थाना—बाँसी, जिला—बाँका के सुचारु प्रबंधन, सुरक्षा एवं सम्यक विकास हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, बाँका की अध्यक्षता में दिनांक 15/09/13 की बैठक में गठित समिति को संशोधित करते हुए, निम्नलिखित योजना का निरूपण तथा योजना को मूर्त रूप देने के लिए 11 सदस्यों की एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री नरसिंह भगवान मंदिर न्यास योजना ग्राम— कसबा मंदार, पो0—मंदार हील, अंचल+थाना—बाँसी, जिला—बाँका” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री नरसिंह भगवान मंदिर न्यास समिति ग्राम—कसबा मंदार, पो0—मंदार हील,

अंचल+थाना- बौंसी, जिला-बांका" होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, राग-भोग एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय सरकारी नजारत में जमा न कर, न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. यदि न्यास की आय पूर्व से सरकारी नजारत में जमा है, उसे न्यास समिति प्राप्त कर, न्यास के नाम से खोले गये बैंक खाते में जमा कर, पर्षद को सुचित करेगी।

5. न्यास की आय-व्यय में, आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

6. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के बजट, आय-व्यय की विवरणी, पर्षद शुल्क, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहुत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझी जाय, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तारित भूमि "यदि कोई हो तो", उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों की न्यास समिति गठित की जाती है।

(1) अनुमंडल पदाधिकारी, बांका	—	अध्यक्ष
(2) अंचल पदाधिकारी, बौंसी	—	उपाध्यक्ष
(3) श्री उदय शंकर झा 'चंचल' पिता- स्व० नशीवर झा, ग्राम-गुडिया, बांका	—	सचिव
(4) श्री पवन कु० सिंह, पिता-स्व० ज्योतिन्द्र नारायण, ग्राम-सबलपुर, बांका (दाता परिवार)	—	कोषाध्यक्ष
(5) प्रखंड विकास पदाधिकारी	—	सदस्य
(6) थानाध्यक्ष, बौंसी	—	"
(7) प्रमुख-पंचायत	—	"
(8) मुखिया-कसबा मंदार पर्वत	—	"
(9) श्री शंकर प्र० सिंह, ग्राम- झपनिया, बांका	—	"
(10) श्री राजा राम अग्रवाल, ग्राम-दलिया, बांका	—	"
(11) श्री राजीव कुमार सिंह, ग्राम-सबलपुर, बांका	—	"

उपर्युक्त न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से प्रभावी होगी और न्यास समिति का कार्यकाल 05 वर्षों का होगा। समिति द्वारा संतोषजनक कार्य पाये जाने पर न्यास समिति के कार्यकाल का विस्तार किया जायेगा।

विश्वासभाजन,
किशोर कुणाल,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 352-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>